आपका लोकप्रिय समाचार पत्र मीडिया पब्लिसिटी अब सोशल मीडिया पर भी लाईक, सब्सक्राईब और शेयर करना न भूलें
YouTube MEDIA PUBLICITY NEWS

राष्ट्रीय हिंदी साप्ताहिक
मीडिया पब्लिसिटी
RNI NO. MAHHIN / 2011 / 43573 संपादक - आशिक अली सैय्यद

वर्ष-१२ अंक-१० 19 मई 2023 से 25 मई 2023 पृष्ठ :४ मूल्य ₹2

मुंबई में प्रदूषण.....

प्रदूषण की शिकायतों में 237 फीसदी और कचरे की शिकायतों में 124 फीसदी की बढ़ोतरी....

मुंबई महानगरपालिका कूड़ा निस्तारण में विफल, प्रजा फाउंडेशन की रिपोर्ट से खुलासा

मुंबई- हालाँकि मुंबई नगर निगम प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कई उपाय कर रहा है, लेकिन मुंबई प्रदूषण से पीड़ित है। कचरा मुक्त मुंबई के अभियान को लागू करने में मुंबई नगर निगम विफल रहा है। प्रजा फाउंडेशन की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि प्रदूषण की शिकायतों में 237 फीसदी और कचरे की शिकायतों में 124 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है.प्रजा फाउंडेशन ने मुंबई प्रेस क्लब में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में

मुंबई में नागरिक मुद्दों पर अपनी 2023 की रिपोर्ट जारी की। मुंबई में कचरे की समस्या को लेकर 2013 में 5519 से 2022 में 12351 शिकायतें दर्ज की गईं। वायु प्रदूषण को लेकर 2013 में 65 और 2022 में 219 शिकायतें दर्ज की गईं।इसके अलावा, आँकड़ों में यह दर्ज किया गया है कि सीवेज से संबंधित नागरिकों की शिकायतों में 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। निगरानी रिपोर्ट में कहा गया है कि मुंबई में वायु प्रदूषण, गर्मी की लहरों और प्रदूषित जल स्रोतों की गंभीर समस्याएं तेजी से जलवायु परिवर्तन और अप्रभावी स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन से बढ़ी हैं।बदलते परिवेश और अपशिष्ट प्रबंधन की कमी के कारण मुंबईकरों को प्रदूषण का सामना करना पड़ रहा है। 2013 से 2022 तक नागरिकों द्वारा वायु प्रदूषण की शिकायतों में 237 प्रतिशत और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की शिकायतों में 124 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। नगर पालिका 2022 में मुंबई नगर निगम के स्वच्छ भारत अभियान की स्वच्छ मुक्ता शहर योजना के तहत पांच सितारा रेटिंग हासिल **शेष पृष्ठ ३ पर** .....

पृष्ठ १ का शेष.....

मुंबई में प्रदूषण.....

करने में विफल रही है।यह प्रजा फाउंडेशन द्वारा देखा गया है। 2018 से 2019 की अवधि के दौरान, मुंबई में दैनिक आधार पर जमा होने वाले कचरे की मात्रा में कमी आई थी। इस समय नगर पालिका ने बड़ी हाउसिंग सोसायटियों के लिए केवल सोसायटियों में ही कूड़ा निस्तारण करना अनिवार्य कर दिया था। उस समय यह अभियान शुरू हुआ और कुछ सोसायटियों ने इसे लागू भी करना शुरू कर दिया। नगर पालिका प्रतिदिन एकत्र होने वाले कचरे की मात्रा को कम करने में भी सफल रही है।लेकिन उसके बाद जैसे-जैसे इस पर अमल ठंडा होता गया, वैसे-वैसे प्रतिदिन एकत्र होने वाले कचरे की मात्रा भी बढ़ती गई। प्रजा के आँकड़ों के अनुसार, 2020 में प्रतिदिन 6904 मीट्रिक टन कचरा पहुँचाया गया और 2022 में प्रतिदिन 7582 मीट्रिक टन कचरा पहुँचाया गया, जिसका अर्थ है कि प्रजा फाउंडेशन के अनुसार कचरे की मात्रा में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्रतिवेदन।वर्ष 2022 में कूड़ा पैदा करने वाली 2825 हाउसिंग सोसायटियों में से 1401 यानी 50 प्रतिशत सोसायटियों ने कूड़ा पैदा करने वाली जगह पर कूड़ा नहीं डाला। लोगों ने यह भी देखा है कि प्रदूषण में वृद्धि हुई है। कहा जाता है कि मीठी नदी में मल के माध्यम से बहुत अधिक जीवाणु प्रदूषण होता है।प्रजा फाउंडेशन ने मंगलवार को मुंबई की नागरिक समस्याओं पर एक रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता और हवा और पानी की गुणवत्ता पर केंद्रित है। तेजी से जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ अक्षम स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन प्रक्रियाओं के कारण मुंबई शहर वायु प्रदूषण, गर्मी की लहरों और प्रदूषित जल स्रोतों जैसी गंभीर समस्याओं का सामना कर रहा है।2018 से 2022 तक, पिछले पांच वर्षों के लिए औसत वार्षिक वायु गुणवत्ता सूचकांक 125 दर्ज किया गया था। प्रजा के संस्थापक निताई मेहता ने कहा कि नगर निगम ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की दक्षता में सुधार, सीवेज उपचार और बेहतर वायु गुणवत्ता जैसे ठोस उपायों को शामिल किया है।